International Journal of Education and Science Research Review
ISSN 2348-6457
www.ijesrr.org February- 2019, Volume-6, Issue-1 Email- editor@ijesrr.org

माध्यमिक स्तर पर छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक योग्यता के प्रभाव का अध्ययन

डा रचना त्यागी
Associate Professor
Pt.Deen Dyal Upadhyay Management College, Meerut

प्रस्तावना : मानव जीवन में शिक्षा का विशेष सीान है । यह कहना अनुपायुक्त नहीं होगाकि शिक्षा किसी भी देश या राष्ट्र के विकास की आधारशिला है । यह कहा जा सकता है कि व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास,समाज का विकास एवं राष्ट्र की उन्नति शिक्षा के बिना सम्भव नहीं है । शिक्षा किसी भी तरह के विकास के लिये तथा उन्नति के लिए आधारशिला है । यहां यह स्पष्ट करना उपयुक्त प्रतीत होता है कि शिक्षा से तात्पर्य क्या है ? वास्ताव में शिक्षा एक प्रक्रिया है जो जन्म से मृत्यु तक बराबर जाने अनजाने चलती रहती है । विश्लेषणात्मक दृष्टि से शिक्षा विद्यालयों में प्राप्त शिक्षा,शिक्षक द्वारा प्राप्त ज्ञान, उपलब्ध ज्ञान एवं अनुभवों के अतिरिक्त अन्य प्रकार की कुशलता,दृष्टिकोणों एवं अनुभवों की प्रगति है जो बालक विद्यालय के वातावरण तथा इसके बाहर प्राप्त करता है । शिक्षा से तात्पर्य केवल व्यक्तित्व के विकास से नहीं है अपितु देश ओर समाज की उन्नति का भी शिक्षा से सम्बन्ध होता है । समुचित दृष्टिकोण से यदि कहा जाये तो पारिवारिक वातावरण एवं विद्यालय वातावरण का तथा बालक के अनुभवों का बालक पर विशेष प्रभाव पडता है । वर्तमान में विद्यालय का वातावरण एवं विद्यालय की शिक्षा और पारिवारिक वातावरण एवं परिवार के सदस्यों का शैक्षिक स्तर लगभग यदि समान हो तो बालक को सीखने में सुगमता होगी और यदि असमानता पायी जाती है तो बालक को ज्ञन प्राप्त करने में अधिक समय लगता है और कठिनाई पैदा होती है । उदाहरण के लिए हिन्दी भाषी बालक, जिसके घर में हिन्दी बोली जाती है और माता पिता भी अंग्रजी भाषा गा ज्ञान नहीं रखते, ऐसे घर का बालक अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय में पढने जाता है तो उसे अंग्रेजी भाषा का ज्ञान प्राप्त करने एवं बोलने में अधिक समय एवं परिश्रम लगता है जबकि उन बालकोंको जिनके घर का वातावरण अंग्रेजी भाषी है, उन्हें अंग्रेजी सीखने में कम समय लगता है । विद्यालय के अन्तर्गत दी जाने वाली शिक्षा, विद्यालयी वातावरण/भौतिक वातावरण एवं शिक्षकों की योग्यता का बालकों की उपलब्ति पर गहरा प्रभाव देखने को मिलता है । कक्षा शिक्षा का मुख्य आधार शिक्षक ही नहीं होता अपितु कक्षा का भौतिक वातावरण का भी होता है या हम कह सकते हैं कि शिक्षण अधिगम प्रक्रिया की सफलता शिक्षकों के साथ–साथ कक्षा के वातावरण पर भी निर्भर करती है ।

समस्या कथन :

माध्यमिक स्तर पर छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक योग्यता के प्रभाव का अध्ययन

अध्ययन के उद्देश्य :

1. माध्यमिक स्तर के छात्रों की शेक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक योग्यता के प्रभाव का अध्ययन करना ।
2. माध्यमिक स्तर की छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक की योग्यता के प्रभाव का अध्ययन करना ।

शोध परिकल्पाएं :

1. माध्यमिक स्तर के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक की योग्यता के प्रभाव का कोई सार्थक अन्तर नहीं है ।
2. माध्यमिक स्तर की छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक के प्रभाव का कोई सार्थक अन्तर नहीं है ।

अध्ययन परिसीमांकन :

1–प्रस्तुत शोध मेरठ जनपद के माध्यमिक विद्यालयों तथा उसमें अध्ययनरत विद्यार्थियों को ही प्रदत्त संकलन हेतु चयनित किया जायेगा ।

2–प्रस्तुत शोध में मेरठ जनपद के 05 विद्यालयों का चयन किया जायेगा ।

अध्ययन में प्रयुक्त अनुसन्धान विधि :

प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थिनी ने शोध समस्या को ध्यान में रखते हुये सर्वेक्षण विश्लेषणात्मक विधि का चयन किया है ।

अध्ययन में प्रयुक्त अभिकल्प :

प्रस्तुत शोध में शोधार्थिनी द्वारा एक स्थायी समूह अभिकल्प का चयन किया गया।

अध्ययन में प्रयुक्त जनसंख्या :–

प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थिनी द्वारा मेरठ जिले में 05 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं को अपनी जनसंख्या के रूप में चयनित किया गया है ।

अध्ययन की न्यादर्श विधिः

प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थिनी द्वारा यादृच्छिक विधि से मेरठ जिले के 05 माध्यमिक विद्यालयों को चयनित किया गया तथा प्रत्येक महाविद्यालय से उद्देश्यपूर्ण न्यादर्श विधि से 05 छात्र तथा 05 छात्राओं का चयन किया गया । इस तरह से कुल 25 छात्र एवं 25 छात्राऐं इस अध्ययन के न्यादर्श के लिये चयनित किये गये ।

अध्ययन उपकरण :

1. विद्यार्थियों की शेक्षिक उपलब्धि ज्ञात करने के लिए उसके पिछले वर्ष के प्राप्तांकों को उनकी शैक्षिक उपलब्धि मानकर अध्ययन किया जायेगा ।
2. अध्यापकों की शैक्षिक योग्यता जानने के लिए अध्ययनकर्ता द्वारा हरभजन एल0सिंह एवं प्रवीण कुमार प्रश्नावली का प्रयोग किया जायेगा ।
3. भौतिक वातावरण के अध्ययन हेतु शोधार्थिनहीं की हरभजन एल0सिंह एवं डा0 प्रवीण कुमार प्रश्नावाली का प्रयोग किया जायेगा ।
4. हरभजन एल0सिंह एवं डा0 प्रवीण कुमार प्रश्नावाली का प्रयोग करने से पूर्व प्रश्नावली की विश्वसनीयता एवं वैधता का परीक्षण किया जायेगा ।

प्रस्तुत शोध में शोधार्थिनी द्वारा एक स्थाई समूह अभिकल्प की सार्थकता की जांच करने के लिए टी–परीक्षण का प्रयोग किया गया है ।

प्रदत्तों का विश्लेषण :–

प्राप्त आंकडों का मूलरूप प्रायः निरर्थक व जटिल होता है, इस कारण उनके सारणीयन की आवश्यकता पडती है । सारणीयन एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके अन्तर्गत प्राप्त आंकडों को क्रमबद्ध,बोधगम्य,सरल तथा स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया जाता है ।

(सारणी नं0 1)

शिक्षकों की योग्यता	छात्रों की संख्या	शिक्षण वाले विषय				योग	प्रतिशत
		हिन्दी	अंग्रेजी	सा0वि0	विज्ञान		
बी0ए0 बी0एड0	25	35.43	35.07	35.13	35.07	140.70	35.14
एम0ए0 बी0एड0	25	33.77	34.41	35.15	35.08	138.27	34.56

सारणी नं0 1 के माध्यम से शोधार्थिनी ने माध्यमिक स्तर के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक योग्यता के प्रभाव का विश्लेषण किया है जिसमें शिक्षक की योग्यता को दो वर्गों बी0ए0,बी0एड0 एवं एम0ए0,बी0एड0 के द्वारा पढाये गये उनके विषयों हिन्दी,अंग्रेजी,सामान्य विज्ञान एवं विज्ञान के 25–25 विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्त प्राप्तांको का प्रतिशत ज्ञात किया है । बी0ए0,बी0एड0 योग्यताधारी शिक्षकों के पढाये गये विषय में हिन्दी का प्रतिशत प्राप्तांक 35.43,अंग्रेजी का प्रतिशत प्राप्तांक 35.07,सामाजिक विज्ञान का प्रतिशत प्राप्तांक 35.13 है । इसी प्रकार एम0ए0,बी0एड0 शिक्षकों के द्वारा पढाये गये विषय में हिन्दी का प्रतिशत प्राप्तांक 33.77, अंग्रेजी का प्रतिशत प्राप्तांक 34.41,सामाजिक विज्ञान का प्रतिशत प्राप्तांक 35.15 और विज्ञान का प्रतिशत प्राप्तांक 35.08 प्राप्त हुआ ।

(सारणी नं0 2)

माध्यमिक स्तर की छात्राअें की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक योग्यता के प्रभाव का अध्ययन

शिक्षकों की योग्यता	छात्रों की संख्या	शिक्षण वाले विषय				योग	प्रतिशत
		हिन्दी	अंग्रेजी	सा0वि0	विज्ञान		
बी0ए0 बी0एड0	25	35.24	35.07	35.16	35.14	140.61	35.15
एम0ए0 बी0एड0	25	35.11	35.08	35.36	35.16	145.665	36.41

उपरोक्त सारणी नं02 के माध्यम से शोधार्थिनी ने माध्यमिक स्तर की छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक योग्यता के प्रभाव का विश्लेषण किया जिसमें शिक्षक की योग्यता को दो वर्गों में बांटा गया है–बी0ए0,बी0एड0 और एम0ए0,बी0एड0 के शिक्षकों के द्वारा पढाये गये विषयों हिन्दी,अग्रेजी,सामा0विज्ञान एवं विज्ञान के 25–25 विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में प्राप्त प्राप्तांको का प्रतिशत ज्ञान किया है । बी0ए0, बी0एड योग्याताधारी शिक्षकों के द्वारा पढाये गये विषयों हिन्दी का प्राप्तांक 35.24, अंग्रेजी का प्राप्तांक 35.07,सामाजिक विज्ञान का प्राप्तांक 35.16 तथा विज्ञान का प्राप्तांक प्रतिशत 35.14 था । इसी प्रकार एम0ए0,बी0एड0 योग्यताधारी शिक्षकों के द्वारा पढाये गये विषयों में हिन्दी में प्राप्त प्राप्तांक का प्रतिशत 35.11,अंग्रेजी में प्राप्त प्राप्तांक का प्रतिशत 35.08,सामाजिक विज्ञान में प्राप्त प्राप्तांक का प्रतिशत 35.36 तथा विज्ञान में प्राप्त प्राप्तांक का प्रतिशत 35.16 प्राप्त हुआ है ।

अध्ययन के परिणाम :

शोधार्थिनी द्वारा अपने अध्ययन के विश्लेशण व सांख्यिकी विधियों द्वारा जो परिणाम प्राप्त हुआ वह निम्नलिखित है :–

1–माध्यमिक स्तर के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में सामान्य अन्तर पाया गया जबकि सार्थकता स्तर में कोई अन्तर नहीं है ।

2–छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सामान्य अन्तर पाया गया किन्तु सार्थक अन्तर नहीं पाया गया ।

निष्कर्ष :

प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थिनी ने अपनी समस्या **' माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों पर शिक्षक योग्यता का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव'** का अध्ययन करने पर इस निष्कर्ष पर पहुंची कि माध्यमिक स्तर के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक योग्यता का नकारान्मक प्रभाव पडता है क्योंकि एम0ए0,बी0एड0 के प्रतिशत से बी0ए0,बी0एड0 का प्रतिशत प्राप्तांक ज्यादा पाया गया । माध्यमिक स्तर की छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर भी शिक्षक योग्यता का नकारात्मक प्रभाव पडता है ।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. **बेस्ट,जे0 डब्ल्यू (1988)** 'ए कम्परेटिव स्टडी ऑफ फेमिली रिलीशन इन एजूकेशन एण्ड लेस एजूकेटिड एण्ड एफेक्ट ऑफ द वैल्यूज आूफ देयर वार्ड्स,पी0एच0डी0 थीसिस, सी0सी0एस0 चूनिवर्सिटी,मेरठ ।
2. जगन्नाथ के0 (1986) 'होम एनवायरमेण्ट एण्ड एकेडेमिक,पी0पी0 18–25
3. कपिल,ए0के0 'रिसर्च,मेथड्स हर प्रसाद भार्गव पुस्तक प्रकाशन ।
4. गुप्ता एस0पी0 'शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन, साहित्य भवन इलाहाबाद ।
5. मलिक जे0एस0 (1984) 'सैकिंड सर्वे ऑफ एजूकेशन रिसर्च
6. तलवान एस0के0 (1989) **'थर्ड सर्वे ऑफ रिसर्च इन एजेकेशन,एन0सी0ई0आर0टी0यू0 दिल्ली**